CRYOSURGERY
परदे की नसों को ठण्डा सेक

नाम .....

परदे की नसों को ठण्डा सेक आँख में कोई सुराख होना, आँख का परदा कमजोर होना या आँख का दबाव कम करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया से बीमारी रुक जाती है व दर्द कम हो जाता है पर रोशनी बढ़ने की सम्भावना नहीं होती है।

डॉक्टर द्वारा भली-भाँति समझा दिया गया है कि मैं ..... आँख के परदे में खराबी है तथा इस कारण ..... हो सकता है और मुझे की सलाह दी गई है।

खतरा (Risk)

- लगभग सभी परदे की खराबी को ठीक किया जा सकता है पर यह 100 प्रतिशत प्रभावशाली नहीं है। कभी-कभी दो बार भी सिकाई करनी पड़ सकती है।
- हीरे का जलना।
- परदे का खिसकना।
- सूजन।
- आँख में खून।
- यह सब सामान्य खतरे हैं। इनके अलावा कुछ और भी खतरे हैं जो इसमें लिखित नहीं हैं।
- मैं यह समझता हूँ कि बेहोशी के कारण भी कुछ खतरे हो सकते हैं (बच्चों के लिए)।
- ऑपरेशन के दौरान काम आने वाली दवाओं से खतरा हो सकता है, जैसे - सिरदर्द, उल्टी, चकते (दाफड़)।
- मुझे ऑपरेशन के दौरान होने वाले उपर्युक्त खतरों के बारे में समझा दिया गया है।

सुन्न की सुई के कारण होने वाले खतरे

- आँख के गोले का फटना।
- आँख की नस का खराब होना।
- परदे की रक्त संचार में रुकावट आना।
- पलक का गिरना।
- रक्तचाप का गिरना।
- साँस की खराबी।

सहमति-पत्र

- मैंने ऊपर दी गई सभी बातें नेत्र विभाग की पढ़ ली हैं व सभी चीजें चिकित्सालय के स्टाफ से समझ ली है।
- मैंने इस बारे में सभी नुकसान व फायदे व कुछ मेरे अनुरूप शारीरिक अवस्था को देखते हुए समझ लिए हैं।
- मैं ऑपरेशन की सामान्य क्रिया जो की जा रही है, उसके अलावा कोई नई क्रिया ऑपरेशन के दौरान के लिए भी अपनी सहमति दे रहा हूँ।
- ऑपरेशन से जो भी लाभ-हानि होगी वह मुझे मान्य होगी।
- ऑपरेशन की शल्य क्रिया के दौरान कोई भी सुन्न करने की दवा से रिएक्शन होगा, उसके लिए मैं तैयार हूँ।